विषय : अर्थशास्त्र (030)

अंक योजना – हिन्दी माध्यम

अत्यंत गोपनीय

(प्रश्न पत्र कोड – 58/2/2)

(केवल आंतरिक एवं सीमित उपयोग हेतु)

सीनियर सेकेंडरी स्कूल प्रमाणपत्र परीक्षा, 2026

सामान्य निर्देश:-

1	सीबीएसई ने 2026 की परीक्षा से कक्षा XII की उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन के लिए ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) शुरू करने का निर्णय लिया है।
2	आप जानते हैं कि उम्मीदवारों के वास्तविक और सही आकलन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती भी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है, जिससे उम्मीदवारों, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे के भविष्य पर गहरा असर पड़ सकता है। गलतियों से बचने के लिए, आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले, मौके पर किए गए मूल्यांकन के दिशानिर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और समझें।
3	"मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। किसी भी तरह से इसका सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली को बाधित कर सकता है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना बोर्ड के विभिन्न नियमों और आईपीसी के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।"
4	मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना चाहिए। यह किसी की व्यक्तिगत व्याख्या या अन्य किसी विचार के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, मूल्यांकन करते समय, नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित और/या नवीन उत्तरों की शुद्धता का अलग से मूल्यांकन किया जा सकता है और उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा XII में, दो योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और यदि उत्तर अंकन योजना के अनुसार नहीं है, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता का उल्लेख किया गया है, तो उचित अंक दिए जाने चाहिए।
5	अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए अंक दिए गए हैं। ये केवल दिशानिर्देश हैं और पूर्ण उत्तर नहीं हैं। छात्र अपनी अभिव्यक्ति दे सकते हैं और यदि अभिव्यक्ति सही है, तो तदनुसार अंक दिए जाने चाहिए।
6	मुख्य परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकित की गई पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं की जाँच करनी चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता पाई जाती है, तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद उसे शून्य कर दिया जाना चाहिए। शेष उत्तर पुस्तिकाएँ, जिनका मूल्यांकन किया जाना है, तभी दी जाएँगी जब यह सुनिश्चित हो जाए कि प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है।

7	मूल्यांकनकर्ता सही उत्तरों पर (√) चिह्न लगाएंगे। गलत उत्तरों पर 'X' का निशान लगाया जाएगा। मूल्यांकन करते समय मूल्यांकनकर्ता सही (✓) चिह्न नहीं लगाएंगे, जिससे यह आभास होगा कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिए जाएंगे। यह मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा की जाने वाली सबसे आम गलती है।
8	यदि किसी प्रश्न के कई भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए OSM पोर्टल में दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को OSM सिस्टम द्वारा कुल मिलाकर जोड़ा जाएगा।
9	यदि किसी प्रश्न के कोई भाग नहीं हैं, तो OSM पोर्टल में बाईं ओर के हाशिये में अंक दिए जाने चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।
10	किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटे जाएंगे। इसके लिए केवल एक बार ही दंड दिया जाना चाहिए।
11	उत्तर के लिए पूर्ण अंक प्रणाली 60 (उदाहरण के लिए प्रश्न पत्र में दिए गए 0 से 80/70/60/50/40/30 अंक) का उपयोग किया जाना है। यदि उत्तर उचित हो तो पूर्ण अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को अनिवार्य रूप से पूरे कार्य समय यानी प्रतिदिन 8 घंटे मूल्यांकन कार्य करना होगा और मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं और अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (विवरण स्पॉट दिशानिर्देशों में दिया गया है)। यह कम किए गए पाठ्यक्रम और प्रश्नपत्र में प्रश्नों की संख्या को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
13	सुनिश्चित करें कि आप परीक्षक द्वारा अतीत में की गई निम्नलिखित सामान्य त्रुटियों को न दोहराएँ: ● उत्तरों को सही चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना। (सुनिश्चित करें कि सही निशान स्पष्ट रूप से लगा हो। यह केवल एक रेखा होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए X का निशान भी ऐसा ही होना चाहिए।) ● उत्तर का आधा या आंशिक भाग सही और शेष गलत चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना।
14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो उसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
15	वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले परीक्षकों को "मौके पर मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश" में दिए गए दिशा-निर्देशों से स्वयं को परिचित कर लेना चाहिए।
16	निर्धारित प्रोसेसिंग शुल्क का भुगतान करने पर उम्मीदवारों को अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने का अधिकार है। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/मुख्य परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए निर्धारित अंकों के अनुसार ही किया जाए।
17	अगर कोई कैंडिडेट किसी सवाल में दोनों ऑप्शन आज़माता है, जहाँ सिर्फ़ एक ऑप्शन आज़माना ज़रूरी है, तो इवैल्यूएटर दोनों ऑप्शन में मार्क्स देगा। सिस्टम दो में से ज़्यादा वाला स्कोर लेगा और दूसरे जवाब को नज़रअंदाज़ कर देगा।
18	दो विकल्पों वाले प्रश्न में, यदि उम्मीदवार ने केवल एक का प्रयास किया है, तो मूल्यांकनकर्ता उस विकल्प के सामने "एनए" (प्रयास नहीं किया गया) चिह्नित करेगा जिसका उम्मीदवार द्वारा प्रयास नहीं किया गया है।

अंकन योजना हिन्दी माध्यम
सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, 2026
अर्थशास्त्र (विषय कोड –030)
[प्रश्न-पत्र कोड : 58/2/2]

अधिकतम अंक : 80

प्र.सं	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक
	खण्ड - क **(समष्टि अर्थशास्त्र)**	
1.	पहचान करें, निम्नलिखित में से कौन सा भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) का सरकार के बैंक, अभिकर्ता व सलाहकार के रूप में कार्य नहीं है। **विकल्प** : (A) सरकार का बैंकिंग कार्य संपादित करना। (B) राष्ट्रीय ऋण का प्रबंधन करना। (C) वित्तीय मामलों पर सलाह देना। (D) नियत अंतराल पर निरीक्षण करना । **उत्तर. (D) नियत अंतराल पर निरीक्षण करना ।**	**1**
2.	निम्नलिखित कथनों अभिकथन (A) तथा कारण (R) का अध्ययन करें। निम्नलिखित विकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें : **अभिकथन (A):** विनिमय दर में वृद्धि का तात्पर्य है कि, विदेशी मुद्रा की कीमत, घरेलू मुद्रा के रूप में बढ़ गई है। **कारण (R)**: व्यापार संतुलन विदेशी मुद्रा के अंतर्वाह व बहिर्वाह को दर्ज करता है। **विकल्प :** (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। (B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। (C) अभिकथन (A) सत्य है, लेकिन कारण (R) असत्य है। (D) अभिकथन (A) असत्य है, लेकिन कारण (R) सत्य है। **उत्तर. (C) अभिकथन (A) सत्य है, लेकिन कारण (R) असत्य है।**	**1**
3.	सुमित ने अपने बचत खाते में ₹ 10 लाख जमा किए थे। उनके द्वारा की गई यह जमा राशि मुद्रा आपूर्ति के M_1 माप में _____ का एक हिस्सा है। (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन करें) **विकल्प :** (A) जनता के पास रखी गई मुद्रा (B) अंतर-बैंक जमा (C) वाणिज्यिक बैंकों की माँग जमा (D) भारतीय रिज़र्व बैंक में सावधि जमा **उत्तर. (C) वाणिज्यिक बैंकों की माँग जमा**	**1**
4.	निम्नलिखित कथनों का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें : **कथन 1:** पुरानी कारों के डीलर द्वारा अर्जित दलाली (Brokerage) को राष्ट्रीय आय के अनुमान में शामिल किया जाता है। **कथन 2:** स्व-उपभोग उत्पादन का कल्पित मान (imputed value) राष्ट्रीय आय में सम्मिलित किया जाता है। उपरोक्त कथनों के आलोक में, निम्न में से सही विकल्प का चयन करें : (A) कथन 1 सत्य है तथा कथन 2 असत्य है। (B) कथन 1 असत्य है तथा कथन 2 सत्य है। (C) कथन 1 व 2 दोनों सत्य हैं। (D) कथन 1 व 2 दोनों असत्य हैं। **उत्तर. (C) कथन 1 व 2 दोनों सत्य हैं।**	**1**
5.	समग्र माँग (AD) वक्र उपभोग वक्र के समांतर होता है, जो कि यह दर्शाता है कि दोनों में _____ है। (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन करें) (A) समान घटक (B) भिन्न ढाल (slope) (C) समान ढाल (slope) (D) व्युत्क्रमानुपाती (inverse) संबंध **उत्तर. (C) समान ढाल (slope)**	**1**

6.	निम्नलिखित प्रवाह-चित्र (Flow chart) का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें व सही विकल्प का चयन करें : 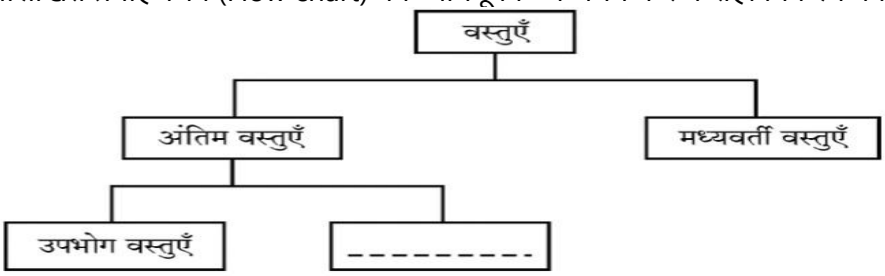 **विकल्प** : (A) हस्तांतरण वस्तुएँ (B) पूँजीगत वस्तुएँ (C) गैर-टिकाऊ वस्तुएँ (D) अर्ध-टिकाऊ वस्तुएँ **उत्तर. (B) पूँजीगत वस्तुएँ**	**1**
7.	निम्नलिखित कथनों का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें: **कथन 1 :** नम्य विनिमय दर प्रणाली के अंतर्गत भुगतान संतुलन में घाटा/अधिशेष स्वतः ही संतुलित हो जाता है। **कथन 2 :** नम्य विनिमय दर प्रणाली के अंतर्गत मुद्रा के अधिक/अल्प मूल्यांकन की संभावना होती है। उपरोक्त कथनों के आलोक में, निम्न में से सही विकल्प का चयन करें : (A) कथन 1 सत्य है तथा कथन 2 असत्य है। (B) कथन 1 असत्य है तथा कथन 2 सत्य है। (C) कथन 1 व 2 दोनों सत्य हैं। (D) कथन 1 व 2 दोनों असत्य हैं। **उत्तर. (A) कथन 1 सत्य है तथा कथन 2 असत्य है।**	**1**
8.	मुद्रा के उस कार्य की पहचान करें, जिसने लेन-देन में 'आवश्यकता के दोहरे संयोग' (Double coincidence of wants) की समस्या को प्रभावी रूप से हल कर दिया है। **विकल्प :** (A) स्थगित भुगतान का मानक (B) मूल्य का भंडार (C) मूल्य का मापक (D) विनिमय का माध्यम **उत्तर. (D) विनिमय का माध्यम**	**1**
9.	कनाडा व इंग्लैंड के मध्य संचालित एयर इंडिया के विमानों से प्राप्त आय _____ की घरेलू आय (NDP_{FC}) में जोड़ी जाएगी। (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन करें) **विकल्प :** (A) कनाडा (B) इंग्लैंड (C) कनाडा व इंग्लैंड दोनों (D) भारत **उत्तर. (D) भारत**	**1**
10.	दर्शाए गए आरेख के संदर्भ में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उपभोग फलन का चयन करें : 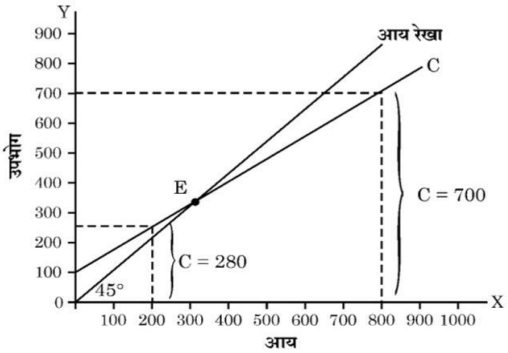 **विकल्प :** (A) C = 100 + 0.7Y (B) C = 100 + 0.8Y (C) C = 100 - 0.7Y (D) C = 100 - 0.8Y **उत्तर. (A) C = 100 + 0.7Y** **नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 10 के स्थान पर है।**	**1**

यदि सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) का मान 0.6 है तथा अपसंचय (Dissavings) 100 है, तो संबंधित बचत फलन क्या होगा ? (सही विकल्प का चयन करें)

विकल्प :

(A) S = - 100 + 0.6Y (B) S = 100 + 0.6Y

(C) S = - 100 + 0.4Y (D) S = - 100 - 0.4Y

उत्तर. (C) S = - 100 + 0.4Y — **1**

11. **निम्नलिखित आँकड़ों द्वारा 'किराया' का मान ज्ञात करें :**

क्रम सं.	विवरण	राशि (₹ करोड़ में)
(i)	ब्याज	45
(ii)	कर उपरांत लाभ	20
(iii)	स्थायी पूँजी का उपभोग	50
(iv)	बाज़ार कीमतों पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP_{MP})	200
(v)	कर्मचारियों का पारिश्रमिक	45
(vi)	निगम कर	5
(vii)	वस्तु व सेवा कर (GST)	10

उत्तर. कारक लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDP_{FC}) = (iv) - (iii) - (vii) — ½

= 200 – 50 – 10

= ₹ 140 करोड़ — ½

कारक लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDP_{FC}) = (v) + किराया + (i) + (vi) + (ii) — 1

किराया = 140 – 45 – 45 – 5 – 20 — ½

= ₹ 25 करोड़ — ½

3

12. (A) "जब साख सृजन प्रक्रिया में प्रारंभिक जमा राशि समान रहती है तो, मुद्रा गुणक के मान में वृद्धि पर कुल साख सृजन की मात्रा में भी वृद्धि होती है।"

एक कल्पित संख्यात्मक उदाहरण द्वारा, उपरोक्त कथन का समर्थन अथवा खंडन करें।

उत्तर. दिए गए कथन का समर्थन किया जाता है।

स्थिति	प्रारंभिक जमा	मुद्रा गुणक ($\frac{1}{RR}$)	सृजित साख (प्रारंभिक जमा x मुद्रा गुणक)
I	1,000	4	1,000 x 4 = ₹ 4,000
II	1,000	5	1,000 x 5 = ₹ 5,000

1 ½

1 ½

उदाहरण दर्शाता है कि मुद्रा गुणक और वाणिज्यिक बैंकों द्वारा कुल साख सृजन की मात्रा के बीच प्रत्यक्ष संबंध होता है।

(अन्य किसी प्रासंगिक उत्तर के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)

3

अथवा

(B) "केन्द्रीय बैंक सभी वाणिज्यिक बैंकों की आरक्षित निधियाँ रखता है तथा उनका उपयोग अंतर-बैंक दावों के निपटान के लिए करता है।"

क्या आप दिए गए कथन से सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में उचित स्पष्टीकरण दें।

उत्तर. हाँ । केन्द्रीय बैंक, वाणिज्यिक बैंकों के लिए बैंकर और समाशोधन गृह का कार्य करता है। चूंकि, यह सभी वाणिज्यिक बैंकों की आरक्षित निधियों का संरक्षक होता है, जिससे उनके पारस्परिक दावों का निस्तारण करना केंद्रीय बैंक के लिए सुविधाजनक हो जाता है। केन्द्रीय बैंक नगदी के भौतिक हस्तांतरण के बिना ही उनके खातों में प्रविष्टि करके इन दायित्वों का समायोजन करता है। यह प्रक्रिया ऐसे अंतर-बैंकीय लेन-देनों का सुचारू, त्वरित और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करती है। (पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए) — **3**

13. (A) भारत सरकार द्वारा आरंभ की गई 'निर्यात प्रोत्साहन योजना' के भारत के भुगतान संतुलन पर पड़ने वाले संभावित परिणामों की व्याख्या करें। (अन्य कारक समान रहने पर)

	उत्तर. यह मानते हुए कि अन्य सभी कारक स्थिर हैं, भारत सरकार की 'निर्यात प्रोत्साहन योजना' से भारत के भुगतान संतुलन (BoP) की स्थिति में सुधार होने की संभावना है, क्योंकि इससे घरेलू उत्पादन बढ़ सकता है और यह निर्यात को प्रोत्साहित कर सकती है। अधिक निर्यात से विदेशी मुद्रा का अंतर्वाह बढ़ेगा, जिसे चालू खाते के क्रेडिट पक्ष में दर्ज किया जाता है, जिससे भुगतान संतुलन (BoP) की समग्र स्थिति में सुधार होगा। **(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)**	**3**
	(B) व्यापार अधिशेष के अर्थ का उल्लेख करें। **उत्तर: व्यापार अधिशेष उस स्थिति को दर्शाता है जब वस्तुओं के निर्यात का मूल्य, वस्तुओं के आयात के मूल्य से अधिक होता है।**	**1**
		4
14. **(A)**	निम्नलिखित गद्य का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें : "किसी राष्ट्र की वर्ष के अंत में कुल राष्ट्रीय आय ₹ 80,000 करोड़ है। उसी वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद में ₹ 10,000 करोड़ की वृद्धि हुई है। पूँजीगत वस्तुओं पर मूल्यह्रास ₹ 2,000 करोड़ व वर्ष के अंत में राष्ट्रीय बचत ₹ 15,000 करोड़ थी। इसके अतिरिक्त, देश ने नई पूँजीगत वस्तुओं के उद्योग में ₹ 8,000 करोड़ का निवेश किया।" उपरोक्त गद्य के आलोक में मदों को 'स्टॉक' या 'प्रवाह' की श्रेणियों में उचित तर्कों द्वारा वर्गीकृत करें। **उत्तर. स्टॉक चर: राष्ट्रीय बचत** **प्रवाह चर:** • **राष्ट्रीय आय** • **सकल घरेलू उत्पाद** • **पूंजीगत वस्तुओं पर मूल्यह्रास** • **नई पूंजीगत वस्तुओं पर निवेश** **स्टॉक चर वे चर होते हैं जिन्हें समय के किसी विशेष बिंदु पर मापा जाता है, जबकि; प्रवाह चर वे चर होते हैं जिन्हें समय की एक अवधि के दौरान मापा जाता है।**	½ ½ ½ ½ ½ **1 ½**
	अथवा	**4**
(B)	"किसी अर्थव्यवस्था में एक वर्ष का मौद्रिक सकल राष्ट्रीय उत्पाद (Nominal GNP) ₹ 2,500 करोड़ था । उसी वर्ष, आधार वर्ष के मूल्यों पर अनुमानित सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) ₹3,000 करोड़ था ।" (i) सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) अपस्फीतक (Deflator) का मान (प्रतिशत में) ज्ञात करें। **उत्तर. दिया गया है, मौद्रिक सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) = ₹ 2,500 करोड़** **आधार वर्ष के मूल्यों पर अनुमानित सकल राष्ट्रीय उत्पाद = ₹ 3,000 करोड़** **सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) अपस्फीतक (deflator) (प्रतिशत में)** $= \frac{\text{मौद्रिक GNP}}{\text{वास्तविक GNP}} \times 100$ $= \frac{2,500}{3,000} \times 100$ $= 83.33$ (ii) "आधार वर्ष व वर्तमान वर्ष के मध्य मूल्य स्तर में वृद्धि हुई है।" कथन का समर्थन अथवा खंडन उपयुक्त तर्क द्वारा करें। **उत्तर. दिये गए कथन का खंडन किया जाता है। क्योंकि सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) अपस्फीतक का मान (83.33) यह दर्शाता है कि विचाराधीन वर्ष में मूल्य स्तर, आधार वर्ष की तुलना में 16.67% (100 - 83.33) कम हो गया है।**	**1** ½ ½ **2**
		4
15.	निम्नलिखित गद्य का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें : "भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने रेपो दर में 50 आधार अंकों की कटौती की घोषणा की है, जिससे यह 6% से 5.5% रह गई है।" उपरोक्त गद्य तथा सामान्य ज्ञान के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें: (i) उपरोक्त गद्य में इंगित आर्थिक समस्या की पहचान करें। **उत्तर. उपर्युक्त गद्य में इंगित आर्थिक समस्या अर्थव्यवस्था में व्याप्त अवस्फीति (deflation) हो सकती है।**	**1**

(ii) RBI द्वारा उठाये गए इस कदम के अर्थव्यवस्था पर संभावित कारणों व परिणामों की व्याख्या करें।

उत्तर. भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने रेपो दर को 6% से घटाकर 5.50% (50 आधार अंकों की कटौती) करने की घोषणा की, जिसका उद्देश्य समग्र मांग (Aggregate Demand) को बढ़ाकर अवस्फीति की स्थिति को नियंत्रित करना है। — 1

रेपो दर में इस कटौती से वाणिज्यिक बैंकों को अपनी ऋण दरें कम करने के लिए प्रोत्साहन मिल सकता है। परिणामस्वरूप, आम जनता के लिए ऋण सस्ता हो जाता है। इससे ऋण लेने की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिल सकता है, जो अर्थव्यवस्था में समग्र मांग में वृद्धि का कारण बनती है। — 2

4

16. (A) (I) नियोजित समग्र माँग (AD) के मान की गणना करें, यदि स्वायत्त निवेश व उपभोग व्यय ($\bar{A}$) = ₹ 50 करोड़ तथा सीमांत बचत प्रवृत्ति (MPS) = 0.2, तथा आय का स्तर ₹ 300 करोड़ है।

उत्तर. दिया है,

स्वायत्त निवेश व उपभोग व्यय ($\bar{A}$) = ₹ 50 करोड़

सीमांत बचत प्रवृत्ति (MPS) = 0.20

आय का स्तर = ₹ 300 करोड़

सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) = 1 – MPS

= 1 – 0.2

= 0.8

जैसा कि हम जानते है, नियोजित समग्र माँग (AD) = C + I — 1 ½

= $\bar{A}$ + (MPC)Y — 1

= 50 + (0.8 x 300) — ½

= ₹ 290 करोड़

(अन्य किसी प्रासंगिक हल के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)

(II) "यदि किसी अर्थव्यवस्था में माल-सूची (inventories) इच्छित स्तर से नीचे है, तो इससे प्रायः समग्र माँग में कमी होती है।"

दिए गए कथन का मान्य तर्कों द्वारा समर्थन अथवा खंडन करें।

उत्तर. दिए गए कथन का खंडन किया जाता है। माल-सूची के स्तर में अनैच्छिक कमी यह दर्शाती है कि फर्मों जितना उत्पादन करने की इच्छुक है, गृहस्थ और फर्म उससे अधिक उपभोग की योजना बना रहे है। अतः, उत्पादक माल-सूची के स्तर में इस अनैच्छिक कमी को समाप्त करने के लिए उत्पादन में वृद्धि कर सकते हैं। (पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए) — 3

(अन्य किसी प्रासंगिक तर्क या व्याख्या के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)

6

अथवा

(B) (I) निम्नलिखित तालिका को पूरा करें :

स्थिति	निवेश में परिवर्तन (ΔI)	आय में परिवर्तन (ΔY)	सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC)	निवेश गुणक (K)
(a)	100	(i)	0.75	(ii)
(b)	(iii)	1000	(iv)	5
(c)	500	(v)	0.5	(vi)

उत्तर.

स्थिति	**निवेश में परिवर्तन (ΔI)**	**आय में परिवर्तन (ΔY)**	**सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC)**	**निवेश गुणक (K)**
(a)	100	**400**	0.75	**4**
(b)	**200**	1000	**0.8**	5
(c)	500	**1000**	0.5	**2**

½ x 6 =3

	(II) निम्नलिखित कथनों में उल्लेखित मौद्रिक उपायों की पहचान करें। व्याख्या करें कि इन्हें अधिमाँग/अल्पमाँग में से किस स्थिति में उपयोग किया जाएगा । (i) जनता से सरकारी प्रतिभूतियों (G-Sec) का क्रय। **उत्तर. उपर्युक्त कथन में जिस मौद्रिक उपाय का उल्लेख गया है, वह 'खुले बाज़ार की क्रियाएँ' (Open Market Operations) है।** **केंद्रीय बैंक खुले बाज़ार में जनता से सरकारी प्रतिभूतियों का क्रय करता है ताकि अर्थव्यवस्था में मुद्रा की पूर्ति बढ़ाई जा सके और न्यून मांग (अल्पमांग) की स्थिति को सुधारा जा सके।** (ii) वाणिज्यिक बैंकों को अपनी अधिशेष निधियाँ RBI के पास जमा करने से हतोत्साहित करना। **उत्तर. उपर्युक्त कथन में जिस मौद्रिक उपाय का उल्लेख किया गया है, वह 'रिवर्स रेपो दर' है। न्यून मांग (अल्पमांग) की स्थिति से निपटने के लिए, भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) रिवर्स रेपो दर को कम कर सकता है। ऐसा करने से वाणिज्यिक बैंकों की ऋण देने की क्षमता बढ़ जाती है, जिससे अर्थव्यवस्था में मुद्रा की पूर्ति और समग्र मांग में वृद्धि हो जाती है।**	½ 1 ½ 1 **6**
17.	निम्नलिखित गद्य का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें : सरकार ने रक्षा से लेकर ग्रामीण विकास, सामाजिक कल्याण, वाणिज्य आदि प्रमुख क्षेत्रों के लिए ₹ 15.27 लाख करोड़ का आबंटन किया है। सरकारी व्यय का एक भाग राज्यों को करों व शुल्कों में हिस्सेदारी के भुगतान में जाता है। लगभग 19% राशि ब्याज भुगतान पर, 16% राशि केन्द्रीय परियोजनाओं पर तथा 19% राशि उपदान, पेंशन व अन्य भुगतानों पर व्यय की जाती है। सरकारी राजस्व का बड़ा हिस्सा ऋण व अन्य देनदारियों से आता है, जो कुल प्राप्तियों का 27% है। इसके बाद आयकर राजस्व लगभग 19% वस्तु व सेवा कर (GST) व अन्य कर लगभग 18% तथा निगम कर लगभग 17% का योगदान देते हैं। इस सूची में अगला सबसे बड़ा प्रावधान ₹ 2.66 लाख करोड़ ग्रामीण विकास के लिए है, जिसमें ग्रामीण अवसंरचनात्मक परियोजनाओं व लोकप्रिय MGNREGA योजना पर व्यय सम्मिलित है। उपरोक्त गद्य तथा सामान्य ज्ञान के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें : (i) सरकार के मुख्य राजस्व स्रोतों की पहचान करें तथा उल्लेख करें कि प्रत्येक स्रोत से कितना प्रतिशत योगदान प्राप्त होता है। **उत्तर. गद्य के अनुसार सरकार के राजस्व के मुख्य स्रोतों को ऋण तथा अन्य देनदारियां हैं, जो कुल प्राप्तियों का एक बड़ा हिस्सा (27%) हैं। इसके बाद आयकर राजस्व लगभग 19% है, वस्तु एवं सेवा कर (GST) तथा अन्य कर लगभग 18% हैं तथा लगभग 17% निगम कर सम्मिलित हैं। (पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)** (ii) अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में धन आबंटन की आवश्यकता पर चर्चा करें। **उत्तर. सरकार ने रक्षा, ग्रामीण विकास आदि जैसे प्रमुख क्षेत्रों के लिए ₹15.27 लाख करोड़ का आबंटन किया है। इस भारी आबंटन का उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करना, ग्रामीण विकास को प्रोत्साहन देना, सामाजिक कल्याण में वृद्धि करना तथा आर्थिक गतिविधियों को गति प्रदान करना है। यह देश में आधारभूत संरचना के उन्नयन, रोज़गार सृजन और समग्र आर्थिक विकास के साथ-साथ संतुलित और व्यापक विकास पर सरकार की प्राथमिकता को दर्शाता है।** **(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)** **(अन्य किसी प्रासंगिक उत्तर के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)**	3 3 **6**
	खण्ड - ख **(भारतीय आर्थिक विकास)**	
18.	शिक्षा _____ प्रदान करती है। (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन करें ।) (i) वैज्ञानिक प्रगति (ii) आविष्कार व नवाचार को प्रोत्साहन (iii) नई तकनीकों को अपनाने की क्षमता	

	विकल्प : (A) (i) व (ii) (B) (i) व (iii) (C) (ii) व (iii) (D) (i), (ii) व (iii) **उत्तर. (D) (i), (ii) व (iii)**	**1**
19.	चीन ने _____ नीति अपनाई, जिसमें कृषकों व उद्योगों में सरकार द्वारा निर्धारित कीमतों पर कुछ मात्रा में वस्तुओं का क्रय-विक्रय होता है, जबकि शेष लेन-देन बाज़ार मूल्य पर होता है। (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन करें) **विकल्प** : (A) दोहरी मूल्य निर्धारण (B) विशेष आर्थिक क्षेत्र (C) महान सर्वहारा सांस्कृतिक क्रांति (D) ग्रेट लीप फॉरवर्ड **उत्तर. (A) दोहरी मूल्य निर्धारण**	**1**
20.	निम्नलिखित कथनों का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें: **कथन 1:** जैविक कृषि में गैर-मौसमी फसलों के उत्पादन के विकल्प काफ़ी सीमित होते हैं। **कथन 2:** जैविक कृषि महँगे कृषि आगतों को स्थानीय स्तर पर उत्पादित जैविक आगतों से प्रतिस्थापित करने में सहायता करती है। उपरोक्त कथनों के आलोक में, निम्न में से सही विकल्प का चयन करें : (A) कथन 1 सत्य है तथा कथन 2 असत्य है। (B) कथन 1 असत्य है तथा कथन 2 सत्य है। (C) कथन 1 व 2 दोनों सत्य हैं। (D) कथन 1 व 2 दोनों असत्य हैं। **उत्तर. (C) कथन 1 व 2 दोनों सत्य हैं।**	**1**
21.	चित्र में दी गई उस रणनीति की पहचान करें, जिसे धारणीय विकास के लिए उपयोग किया जा सकता है। **विकल्प** : (A) गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत (B) पवन ऊर्जा (C) शहरी क्षेत्र में सी.एन.जी. (D) ग्रामीण क्षेत्र में गोबर गैस **उत्तर. (D) ग्रामीण क्षेत्र में गोबर गैस**	**1**
	नोट : निम्नलिखित प्रश्न मात्र दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 21 के स्थान पर है: यदि एक राष्ट्र मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के नियमों की अवहेलना करता है, तो इसके संभावित दीर्घकालीन व जैविक परिणाम _____ होंगे। (सही विकल्प का चयन करें) (i) तीव्र वन कटाई (ii) त्वचा कैंसर की वृद्धिमान संभावना (iii) ग्रीन हाऊस प्रभाव के कारण वैश्विक तापमान में वृद्धि (iv) अम्लीय वर्षा की संभावना **विकल्प** : (A) मात्र (i) (B) (ii), (iii) व (iv) (C) (i) व (iv) (D) (i) व (iii) **उत्तर. (B) (ii), (iii) व (iv)**	**1**

22. ग्रामीण अर्थव्यवस्था में वृद्धि मुख्यतः _____ के प्रवाह पर निर्भर करती है, ताकि कृषि व गैर-कृषि क्षेत्रों में अधिक उत्पादकता प्राप्त की जा सके ।

(रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन करें)

(A) पूँजी (B) सड़क निर्माण
(C) हरित स्थिति (D) बाह्य प्रापण

उत्तर. (A) पूँजी **1**

23. कॉलम- I में दिए गए बेरोज़गारी/रोज़गारी के प्रकारों को कॉलम-II में दी गई संबंधित विशेषताओं से मिलान कर सही युग्म का चयन करें :

	कॉलम-I		**कॉलम-II**
(i)	प्रच्छन्न बेरोज़गारी	(a)	किसी विशेष मौसम में केन्द्रित
(ii)	मौसमी बेरोज़गारी	(b)	सीमांत उत्पादकता शून्य होती है
(iii)	सरकार द्वारा अप्रत्यक्ष रोज़गार	(c)	भारतीय रेल
(iv)	सरकार द्वारा प्रत्यक्ष रोज़गार	(d)	भारतीय ऑयल निगम (IOC)

विकल्प :

(A) (i)-(a) (B) (ii)-(b)
(C) (iii)-(c) (D) (iv)-(d)

उत्तर. (D) (iv)-(d) **1**

24. _____ द्वारा औपनिवेशिक काल के दौरान भारत की राष्ट्रीय तथा प्रति व्यक्ति आय का किया गया आंकलन अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन करें)

विकल्प :

(A) विलियम डिग्बी (B) वी.के.आर.वी. राव
(C) फिंडले शिराज़ (D) आर.सी. देसाई

उत्तर. (B) वी.के.आर.वी. राव **1**

25. भारत का तीव्र ढलान वाला शिक्षा पिरामिड यह दर्शाता है कि, _____

(रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन करें)

विकल्प :

(A) सभी स्तरों पर विद्यार्थियों का समान वितरण है।
(B) उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि हुई है।
(C) शिक्षित युवाओं में कम बेरोज़गारी है।
(D) उच्च शिक्षा तक पहुँचने वाले लोगों की संख्या बहुत कम है।

उत्तर. (D) उच्च शिक्षा तक पहुँचने वाले लोगों की संख्या बहुत कम है। **1**

26. निम्नलिखित कथनों अभिकथन (A) तथा कारण (R) का अध्ययन करें। निम्नलिखित विकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें :

अभिकथन (A): कृषि-प्रसंस्करण उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग जैसे गतिशील उप-क्षेत्रों में वैकल्पिक रोज़गार के अवसर उत्पन्न करने की क्षमता होती है।

कारण (R): पुरुष सामान्यतः गैर-कृषि क्षेत्र में नौकरियों की तलाश करते हैं, परन्तु हाल ही में महिलाएँ भी ऐसी नौकरियों की ओर अग्रसर हुई हैं।

विकल्प :

(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(C) अभिकथन (A) सत्य है, लेकिन कारण (R) असत्य है।
(D) अभिकथन (A) असत्य है, लेकिन कारण (R) सत्य है।

उत्तर. (B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। **1**

27.	"सुधारों के प्रारंभिक चरण में साख बाज़ार के विकास हेतु, ब्याज दरों में प्रशासनिक हस्तक्षेप आवश्यक व वांछित दोनों होते हैं।" पहचानें कि, उपरोक्त सुधार किस क्षेत्र के अंतर्गत लागू किए गए थे। (सही विकल्प का चयन करें) **विकल्प :** (A) कर सुधार (B) औद्योगिक क्षेत्र सुधार (C) वित्तीय क्षेत्र सुधार (D) विदेशी क्षेत्र सुधार **उत्तर. (C) वित्तीय क्षेत्र सुधार**	**1**
28.	चर्चा करें कि, पाकिस्तान ने अपने आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए अपनी प्रारंभिक विकास रणनीतियाँ कैसे तैयार व लागू की थीं। **उत्तर. पाकिस्तान ने सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के सह-अस्तित्व के साथ मिश्रित अर्थव्यवस्था मॉडल अपनाया।** **आयात प्रतिस्थापन आधारित औद्योगिकीकरण सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न विनियमित नीतिगत तंत्र प्रारंभ किए गए।** **हरित क्रांति की शुरुआत से कृषि प्रक्रियाओं का मशीनीकरण हुआ। आधारिक संरचना में सार्वजनिक निवेश की वृद्धि ने कृषि संरचना को काफी हद तक बदल दिया।** **(अन्य कोई प्रासंगिक विकासात्मक रणनीति के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)**	**1** **1** **1** **3**
29. **(A)**	उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से औपचारिक व अनौपचारिक रोज़गार क्षेत्र के मध्य अंतर स्पष्ट करें। **उत्तर. औपचारिक क्षेत्र में सभी सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठान तथा वे निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठान शामिल होते हैं जो 10 या उससे अधिक नियोजित श्रमिकों को रोजगार देते हैं। औपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों को नियमित आय प्राप्त होती है और वे सामाजिक सुरक्षा लाभों के अधिकारी होते हैं।** **उदाहरणार्थ: सरकारी अस्पताल में कार्यरत कर्मचारी आदि।** **जबकि;** **अनौपचारिक क्षेत्र में वे निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठान शामिल होते हैं जो, 10 से कम नियोजित श्रमिकों को रोजगार देते हैं। अनौपचारिक क्षेत्र में श्रमिकों को प्रायः रोजगार की सुरक्षा व नियमित आय का अभाव होता है और उन्हें बिना किसी क्षतिपूर्ति के नौकरी से निष्कासित जा सकता है।** **उदाहरणार्थ: खेतिहर मजदूर आदि।** **(अन्य कोई प्रासंगिक उदाहरण के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)** **अथवा**	**1** **½** **1** **½** **3**
(B)	पर्यावरणीय संसाधनों की बढ़ती माँग उनकी नैसर्गिक पुनर्जनन क्षमता से अधिक होने के दीर्घकालिक प्रभावों पर चर्चा करें। **उत्तर. तीव्र जनसंख्या वृद्धि और औद्योगीकरण के कारण, उत्पादन और उपभोग के लिए संसाधनों की मांग उनके पुनर्जनन की नैसर्गिक दर से अधिक हो गई है, जिससे पर्यावरण की अवशोषण क्षमता पर भारी दबाव पड़ा। परिणामस्वरूप, अपशिष्ट उत्पादन और प्रदूषण जैसी समस्याएं बढ़ गई हैं, जिससे गंभीर पर्यावरणीय संकट उत्पन्न हो गया है।** **(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)**	**3**
30.	(a) दिए गए चित्र का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें : 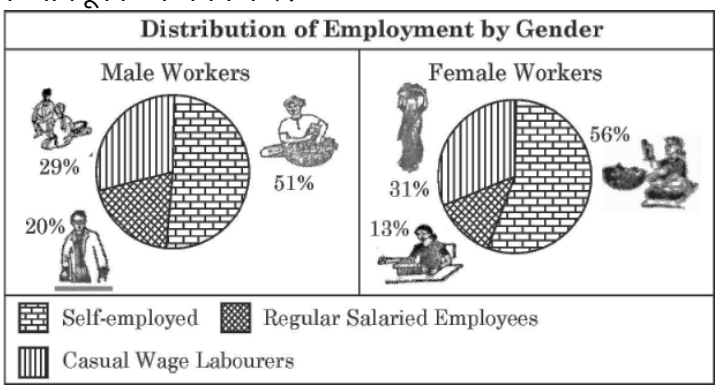 	

	लिंग के संदर्भ में कार्यबल के वितरण की तुलना व विश्लेषण करें। **उत्तर. उपर्युक्त आंकड़ों दर्शातें है कि स्व-रोज़गार, पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए आजीविका का एक प्रमुख स्रोत है, जो पुरुष (51%) और महिला (56%) दोनों श्रमिकों के कार्यबल का 50% से अधिक है। आकस्मिक पारिश्रमिक कर्मचारी दूसरी सबसे बड़ी श्रेणी के रूप में उभरती है, जिसमें 29% पुरुष और 31% महिलाएं शामिल हैं। नियमित वेतनभोगी रोज़गार महिलाओं (13%) की तुलना में पुरुषों (20%) में अधिक प्रचलित है।** **(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)**	**3**
	नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 30(a) के स्थान पर है। "1970 के दशक की तुलना में विभिन्न उद्योगों में कार्यबल के वितरण में शायद ही कोई परिवर्तन हुआ है।" उपरोक्त कथन का उचित व्याख्या के द्वारा समर्थन अथवा खंडन करें। **उत्तर. दिये गये कथन का खण्डन किया जाता है। 1970 के दशक के बाद से भारत में विभिन्न उद्योगों में कार्यबल के वितरण में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। पहले, कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा प्राथमिक क्षेत्र, विशेषकर कृषि में संलग्न था। समय के साथ, द्वितीयक और सेवा क्षेत्रों की ओर सुस्पष्ट रूप से स्थानांतरण हुआ है। यह अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक परिवर्तन का संकेत देता है, जिसमें गैर-कृषि क्षेत्र, रोजगार के महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में उभर रहे हैं और कार्यबल के लिए बेहतर विकास के अवसर प्रदान कर रहे हैं।** **(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)**	**3**
	(b) श्रमिक जनसंख्या अनुपात का अर्थ बताएँ। **उत्तर. श्रमिक जनसंख्या अनुपात को किसी देश में श्रमिकों की कुल संख्या तथा कुल जनसंख्या के अनुपात के रूप में परिभाषित किया जाता है। इसे प्रतिशत में व्यक्त किया जाता है।**	**1**
		4
31. (A)	"औपनिवेशिक शासन के अंतर्गत प्रभावी प्रतिबंधात्मक नीतियों ने भारत के विदेशी व्यापार के ढाँचे, संघटन व मात्रा पर प्रतिकूल प्रभाव डाला था ।" उपरोक्त कथन को उचित व्याख्या द्वारा सिद्ध करें। **उत्तर. औपनिवेशिक शासन के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक नीतियों ने भारत के विदेशी व्यापार को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया। भारत को कपास, पटसन, रेशम और चीनी जैसे प्राथमिक उत्पादों का निर्यातक और ब्रिटेन से तैयार माल और मशीनरी का शुद्ध आयातक बना दिया गया।** **इसके अतिरिक्त, अंग्रेजों ने विदेशी व्यापार पर एकाधिकारी नियंत्रण को स्थापित किया जिसमें भारत का आधे से अधिक विदेशी व्यापार उनकी ओर निर्देशित था, जबकि चीन, सीलोन और फारस जैसे अन्य देशों के साथ सीमित व्यापार की अनुमति थी। स्वेज़ नहर के खुलने से ब्रिटिश नियंत्रण और मजबूत हो गया, जिससे भारत के विदेशी व्यापार की संरचना, संगठन तथा मात्रा और अधिक प्रतिकूल हो गई। (पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)**	**4**
	अथवा	
(B)	ब्रिटिश शासन के अंतर्गत लागू की गई भू-राजस्व नीतियों के मुख्य उद्देश्य व प्रभावों की व्याख्या करें। **उत्तर. ब्रिटिश शासन के अंतर्गत भू-राजस्व नीतियों का मुख्य उद्देश्य कर संग्रह के लिए एक व्यवस्थित और प्रभावी तंत्र स्थापित करना और राजस्व को अधिकतम करना था। इस राजस्व का लक्ष्य प्रशासनिक व्ययों को पूरा करना और औपनिवेशिक सरकार की सैन्य आवश्यकताओं का वित्तपोषण करना था।**	**2**
	इन नीतियों के कार्यान्वयन से भारतीय कृषकों की स्थिति और अधिक दयनीय हो गई, जिससे उनका शोषण और असुरक्षा बढ़ गई। परिणामस्वरूप, कृषि उत्पादकता निम्न बनी रही और इस क्षेत्र को गतिहीनता का सामना करना पड़ा, जिससे व्यापक गरीबी और सामाजिक अशांति उत्पन्न हुई। (अन्य किसी प्रासंगिक बिंदु/व्याख्या के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)	**2**
		4
32.	(i) चीन द्वारा अपनाई गई ' एकल बालक नीति ' की व्याख्या करें। **उत्तर. 1970 के दशक के उत्तरार्ध में चीन द्वारा अपनाई गई 'एकल बालक नीति' का उद्देश्य तेज़ी से बढ़ती जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करना था। इसने जनसंख्या वृद्धि को काफी हद तक**	

	कम किया, लेकिन पुत्र प्राथमिकता के कारण लिंगानुपात में गिरावट जैसे अनपेक्षित परिणाम भी सामने आए। समय के साथ, इससे युवाओं की संख्या में कमी के साथ साथ वृद्ध जनसंख्या में वृद्धि भी हुई। इन समस्याओं से निपटने के लिए, चीन ने बाद में इस नीति को समाप्त कर दिया और दंपत्तियों को दो बच्चे पैदा करने की अनुमति दी। **(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)**	**3**
	(ii) 'कम्यून प्रणाली' के अर्थ का उल्लेख करें। **उत्तर. कम्यून प्रणाली से तात्पर्य उस प्रणाली से है जिसमें लोग सामूहिक रूप से कृषि भूमि पर खेती करते हैं।**	**1**
		4
33. **(A)**	निम्नलिखित गद्य का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें व नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें : "इस संगठन ने वैश्विक व्यापार संगठन के रूप में व्यापार व प्रशुल्क पर सामान्य समझौते (GATT) की जगह ली थी।" (i) GATT का उत्तराधिकारी संगठन कौन सा है ? **उत्तर. GATT का उत्तराधिकारी संगठन, विश्व व्यापार संगठन (WTO) है।** (ii) किस वर्ष में यह नया संगठन स्थापित हुआ था ? **उत्तर. विश्व व्यापार संगठन (WTO) की स्थापना 1995 में हुई थी।** (iii) इस नए संगठन के किन्हीं दो उद्देश्यों का वर्णन करें। **उत्तर. विश्व व्यापार संगठन (WTO) के उद्देश्य हैं:** • **अंतरराष्ट्रीय बाजार में व्यापार के लिए सभी देशों को समान अवसर प्रदान करने के लिए बहुपक्षीय व्यापार समझौतों का प्रबंध करना।** • **एक नियम-आधारित व्यापार व्यवस्था स्थापित करना जिसमें देश, व्यापार पर मनमाने प्रतिबंध नहीं लगा सकते।** **(किसी अन्य प्रासंगिक उद्देश्य के लिए भी अंक प्रदान किए जाएँ)** **अथवा**	**1** **1** **2** **2**
(B)	निम्नलिखित गद्य का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें व दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें: "यह एक ऐसी व्यवस्था है, जिसमें कोई फर्म अपने कुछ कार्यों को (जो पहले वह स्वयं करती थी), अब विशेषज्ञता रखने वाली किसी फर्म/फर्मों को सौंप देती है। ये सेवाएँ स्थानीय/अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों से ली जा सकती हैं।" (i) वैश्वीकरण की प्रक्रिया के सांकेतिक परिणाम की पहचान करें। **उत्तर. वैश्वीकरण प्रक्रिया का सांकेतिक परिणाम बाह्यप्रापण (आउटसोर्सिंग) है।** (ii) भारत को इन गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण स्रोत बनाने वाले किन्हीं दो कारकों का उल्लेख करें। **उत्तर. निम्न कारकों के कारण भारत एक पसंदीदा बाह्यप्रापण (आउटसोर्सिंग) गंतव्य के रूप में उभरा है:** • **संचार के तीव्र माध्यमों का विकास, विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी (IT) का विकास।** • **अपेक्षाकृत अल्प लागत पर कुशल और योग्य श्रमशक्ति की उपलब्धता।** **(अन्य किसी प्रासंगिक कारक के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)**	**1** **1** **1**
	(iii) सूचना प्रौद्योगिकी में प्रगति के कारण विस्तारित हुई सेवाओं के उदाहरणों की व्याख्या करें। **उत्तर. सूचना प्रौद्योगिकी में तेजी से प्रगति के साथ, भारत विभिन्न सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए एक प्रमुख बाह्यप्रापण केंद्र के रूप में उभरा है। इनमें ध्वनि-आधारित व्यावसायिक**	**3**

	प्रक्रियाएं, डेटा तथा रिकॉर्ड प्रबंधन, लेखांकन, बैंकिंग सेवाएं, फिल्म संपादन, पुस्तक प्रतिलेखन, नैदानिक परामर्श और ऑनलाइन शिक्षण शामिल हैं। **(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)** **(अन्य किसी प्रासंगिक उदाहरण के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)**	**6**
34.	निम्नलिखित गद्य का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें : केन्द्रीय बजट 2025-26 में ग्रामीण भारत के लिए महत्वपूर्ण पैकेज प्रस्तावित किया गया है, जिसमें ₹ 1.88 लाख करोड़ का आबंटन व्यापक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए किया गया है। यह बजट ग्रामीण क्षेत्रों में रोज़गार, महिला रोजगार, शिक्षा व संरचनात्मक ढाँचे को प्रोत्साहन देने पर बल देता है, जो एक मज़बूत व आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जल जीवन मिशन को वर्ष 2028 तक विस्तारित कर दिया गया है, जिसका लक्ष्य 100% ग्रामीण जल आपूर्ति कवरेज प्राप्त करना व बुनियादी ढाँचे के रखरखाव को सुदृढ़ करना है। भारत नेट परियोजना के अंतर्गत ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी का विस्तार किया जा रहा है, ताकि सभी ग्रामीण सरकारी माध्यमिक विद्यालयों व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को इंटरनेट सुविधा प्रदान की जा सके । साथ ही, बजट में प्रमुख ग्रामीण योजनाओं पर भी प्रकाश डाला गया है - प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY), जिसने ग्रामीण क्षेत्रों को हर मौसम में चलने योग्य सड़कों से जोडा है। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना (PMGAY), जिसने आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को आवास उपलब्ध कराए हैं; तथा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी योजना (MGNREGS), जो ₹ 86,000 करोड़ के आबंटन के साथ वित्तीय वर्ष 2024-25 में ग्रामीण आजीविका को सुरक्षित कर रही है। उपरोक्त गद्य व सामान्य ज्ञान के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें : (i) ग्रामीण विकास का महत्व स्पष्ट करें। **उत्तर. ग्रामीण विकास का उद्देश्य व्यापक विकास और एक मजबूत, व आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था प्राप्त करने के लिए रोजगार सृजन, महिलाओं का सशक्तिकरण, शिक्षा में सुधार और आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करना है।** (ii) भारत सरकार द्वारा ग्रामीण विकास के लिए आरंभ की गई किन्हीं दो नीतियों पर चर्चा करें। **उत्तर. उपर्युक्त गद्य में दर्शाई गई, ग्रामीण विकास के लिए भारत सरकार द्वारा आरंभ की गई दो नीतियां हैं:** • **प्रधानमंत्री ग्राम आवास योजना, जिसने आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को आवास उपलब्ध कराए है।** • **महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (MGNREGS) जो वित्त वर्ष 2024-25 में 86,000 करोड़ रुपये के आबंटन के साथ ग्रामीण आजीविका को सुरक्षित कर रही है।** **(अन्य किसी प्रासंगिक उपाय के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)**	**2** **2** **2**
		6

* * *